

उद्विग्न वि. (तत्.) 1. उद्वेगयुक्त, परेशान, घबराया हुआ 2. चिंतित 3. आतंकित विलो. निरुद्विग्न।

उद्वेग पुं. (तत्.) 1. क्षोभ, व्याकुलता, घबराहट 2. आवेश, जोश 3. किसी आपदा के कारण होने वाला भय 4. विस्मय।

उद्वेगी वि. (तत्.) 1. दुखी, कष्टग्रस्त 2. चिंताजनक।

उद्वेजन वि. (तत्.) 1. बेचैन करने वाला 2. उत्तेजना बढ़ाने वाला 3. दुःख बढ़ाने वाला।

उद्वेलन पुं. (तत्.) 1. (तट से बाहर) उमड़कर बहने वाला 2. उफान, उद्गार 3. मर्यादा का उल्लंघन करने वाला।

उद्वेलन पुं. (तत्.) 1. उफनना, छलक कर बाहर बहना 2. सीमा का उल्लंघन प्रयो. अंतःकरण में लाख-लाख वृत्तियों का जो उद्वेलन हो रहा है, मिथ्या नहीं हैं -चारु चंद्रलेख; ह.प्र.द्विवेदी।

उद्वेलित वि. (तत्.) 1. उफनता हुआ, किनारों से छलकता हुआ 2. उछला हुआ।

उद्वेष्ट पुं. (तत्.) आयु. पेशी का अनैच्छिक और कष्टपूर्ण संकुचन, पेशी का खिंचाव, ऐंठन cramp

उद्वेष्टन पुं. (तत्.) 1. चारों ओर से लपेटकर ढँकना, सुरक्षा के लिए आवरण चढ़ाना 2. घेरना 3. बाड़, चहारदीवारी 4. (चिकित्सा) रोग का दौरा या आवेग।

उधड़ना अ.क्रि. (तद्.) 1. सिलाई, या बुनाई का खुलना 2. टूटना, अलग होना जैसे- चमड़े का।

उधर अव्य. (तद्.) उस ओर, वहाँ, उस पक्ष में।

उधाड़ पुं. (देश.) कुश्ती का एक पेंच, उखाड़।

उधार पुं. (तद्.) बाणि. 1. चुका देने के वादे पर लिया हुआ धन आदि, कर्ज loan 2. किसी की साख/विश्वसनीयता के आधार पर उसे बिना नकद कीमत के सामग्री देना, जिसकी कीमत बाद में चुकाई जाती है credit 3. बाद में लौटा देने का वचन देकर लिया हुआ माल। borrow

उधार अनुवाद पुं. (तद्+तत्.) अनुवाद करते समय दूसरी भाषा की पदावली के अनुरूप पदावली का प्रयोग जैसे- भू-भौतिकी, ठोस ज्यामिति solid geometry निर्देशांक ज्यामिति co-ordinate geometry आदि।

उधार खाता पुं. (तद्.+अर.) 1. उधार खरीद-बिक्री या लेन-देन का हिसाब-किताब या उधार।

उधारग्रहीता वि. (तत्.) (बाणि.) उधार लेने वाला। loanee

उधारना स.क्रि. (तद्.) 1. उधार करना, उबारना 2. कष्ट से बाहर कर लेना, बचा लेना।

उधारपात्रता स्त्री. (तत्.) बाणि. ऋण लेने वाले व्यक्ति या पक्ष की ऋण चुका सकने की समर्थता। credit worthiness

उधारी वि. (तद्.) 1. उधार करने वाला पुं. 'उधार' का स्त्रीलिंग रूप 2. उधार मांगने वाला।

उधेड़ना स.क्रि. (तद्.) 1. खोलना, सिलाई के टाँके खोलना, तोड़ना (सीवन, टाँका) 2. उखाड़ना 3. अलग करना 4. बिखेरना मुहा. खाल उधेड़ना-बुरी तरह मारना; उधेड़कर रख देना- कच्चा चिट्ठा खोल देना, सब दोष, बुराई खोलकर बता देना।

उधेड़बुन पुं. (देश.) 1. उलझन, चिंता, सोच-विचार।

उन सर्व. (देश.) 'वे' शब्द का परिवर्तित रूप (कारक-प्रयोग में परसर्गों के साथ) जैसे- उनको, उनका टि. आदर के लिए भी 'उन' का प्रयोग होता है। 'उनकी (पं. रामचंद्र शुक्ल की) पुस्तक' उप. (तद्.) 'एक कम' इस अर्थ में संख्यावाची शब्दों के साथ लगने वाला उपसर्ग जैसे- उनतीस, उनसठ, उनासी आदि टि. यह उपसर्ग 'बीस, तीस, चालीस, पचास, साठ, सत्तर, अस्सी और कभी-कभी नब्बे' इन संख्याओं के साथ ही लगाया जाता है, संस्कृत में 'उन' का अर्थ कम होता है।

उनचन स्त्री. (देश.) रस्सी से बुनी चारपाई में पैरों की ओर बाँधी जाने वाली रस्सी जिससे चारपाई को कसा जा सकता है, अदवाइन, दावन।